

कार्यालय भूवैज्ञानिक

भूतत्व एवं खनिजों का सर्वेक्षण, उत्तम निदेशालय उत्तराखण्ड

जिला स्तर के कार्य नैनीताल जिला हल्द्वानी।

प्रपत्र-26

आर. व. क्र. 2804-22/14

दिनांक 14.6.2013

आर. व. क्र. 2804-22/14, भवन/2013-14

परियोजना का नाम:- कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हल्द्वानी, जनपद नैनीताल का विस्तारीकरण कार्य

हल्द्वानी, हल्द्वानी

कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हल्द्वानी जनपद नैनीताल के विस्तारीकरण कार्य हेतु चयनित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

भू-वैज्ञानिक की आख्या

आख्या आर. व. क्र. 503/2013/मण्डी विस्तार/2013-14 दिनांक 15.03.2013 के माध्यम से उपरोक्त प्रस्तावित प्रकरण में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराई जाने के उपरान्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण कार्यवाही द्वारा विस्तारित किया गया है।

संलग्न है

निरीक्षण आख्या।

भू-वैज्ञानिक

सहायक भूवैज्ञानिक
कृत प्रभारी अधिकारी

/उपरोक्तानुसार/तददिनांकित

भूतत्व विभाग निम्नलिखित को सादर सूचनाएं प्रेषित:-

- 1- जिलाधिकारी नैनीताल।
- 2- निदेशक, भूतत्व एवं खनिजों का सर्वेक्षण, उत्तम निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।

(सहायक भूवैज्ञानिक)
कृत प्रभारी अधिकारी

कार्यालय भूवैज्ञानिक
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड
जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी।

फोन व फैक्स: 05946-221247

पत्रांक : 193 / टा0फो0नैनी0/भवन/2013-14

दिनांक : 14.6.2013

सेवा में,

सचिव,
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
मण्डी समिति, हल्द्वानी।

विषय: कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हल्द्वानी जनपद नैनीताल के विस्तारीकरण कार्य हेतु चयनित वन भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

महोदय,

कृपया आपके पत्रांक: कृ0उ0म0स0/मण्डी विस्तार /2013-1904, दिनांक 15.03.2013 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित प्रकरण में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराये जाने के उपरान्त, प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 27.05.2013 को श्री प्रदीप पाण्डे की उपस्थिति में किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या सं0 56 / टा0फो0नैनी0/भवन/2013-14 संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक:-

1. निरीक्षण आख्या।

भवदीय
(लेख राज)

सहायक भूवैज्ञानिक
कृते प्रभारी अधिकारी

सं0 / उपरोक्तानुसार / तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित:-

- 1- जिलाधिकारी नैनीताल।
- 2- निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।

(सहायक भूवैज्ञानिक)
कृते प्रभारी अधिकारी

निरीक्षण सं० 50 / टा०फो०नैनी/भवन/2013-14

कार्यालय भूवैज्ञानिक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी

कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हल्द्वानी जनपद नैनीताल के विस्तारीकरण कार्य हेतु चयनित वन भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावना:-

सचिव, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, मण्डी समिति, हल्द्वानी के पत्रांक: कृ०उ०म०स०/मण्डी विस्तार /2013-1904, दिनांक 15.03.2013 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोक्त प्रस्तावित प्रकरण में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराये जाने के उपरान्त, प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 27.05.2013 को श्री प्रदीप पाण्डे की उपस्थिति में किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत् है:-

स्थिति:-

प्रस्तावित स्थल, हल्द्वानी-लालकुआ मोटर मार्ग पर स्थित तीन पानी नामक स्थल से उत्तर-पश्चिम की ओर लगभग 900 मीटर की दूरी पर सम्पर्क मार्ग के दक्षिण-पश्चिम की ओर स्थित है। स्थल वर्तमान में एक खुला भूभाग है जिसमें स्थानीय प्रजाति की झाड़ियां व सघन वृक्ष विद्यमान हैं। स्थल के उत्तर-पूर्व की ओर उत्तराखण्ड ओपन युनिवर्सिटी का भवन व कुछ भाग में सम्पर्क मार्ग स्थित है जिसका समरेखण $140^{\circ}-320^{\circ}$ है। स्थल के उत्तर-पश्चिम की ओर कृषि भूमि व आवासीय भवन स्थित हैं। स्थल के दक्षिण-पश्चिम की ओर खुला भूभाग स्थित है जिसमें स्थानीय प्रजाति की झाड़ियां व सघन वृक्ष स्थित हैं। स्थल के दक्षिण-पूर्व की ओर आवासीय भवन व कृषि भूमि स्थित है। प्रस्ताव के साथ उपलब्ध कराये गये अभिलेखों के अनुसार, प्रस्तावित स्थल, तराई केन्द्रीय वन प्रभाग के अन्तर्गत प्लॉट सं० 150 में स्थित वन भूमि है जिसमें से याचक विभाग को दुकानों के निर्माण हेतु कुल 10.00 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तान्तरण किया जाना प्रस्तावित है। याचक विभाग द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के साथ प्रस्तावित भवनों के सम्बन्ध में कोई डिजाइन, की प्लान व स्थल पर प्रस्तावित भवनों की स्थिति एवं भवनों की ऊंचाई के सम्बन्ध में कोई मानचित्र उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

आवेदित स्थल भारतीय सर्वेक्षण विभाग की टोपो शीट सं० 53 O/12 के अन्तर्गत स्थित है। स्थल की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 396 मीटर है। स्थल निम्न अक्षांश व देशान्तर पर स्थित है। स्थल का उत्तर-पूर्वी किनारा (बिन्दू) उत्तर $29^{\circ} 11' 03.9''$ अक्षांश व पूर्व $79^{\circ} 30' 48.2''$ देशान्तर पर, उत्तर-पश्चिमी किनारा (बिन्दू) उत्तर $29^{\circ} 11' 07.0''$ अक्षांश व पूर्व $79^{\circ} 30' 34.7''$ देशान्तर पर, दक्षिण-पश्चिमी किनारा (बिन्दू) उत्तर $29^{\circ} 10' 59.2''$ अक्षांश व पूर्व $79^{\circ} 30' 32.7''$ देशान्तर पर तथा दक्षिण-पूर्वी किनारा (बिन्दू) उत्तर $29^{\circ} 10' 56.0''$ अक्षांश व पूर्व $79^{\circ} 30' 44.7''$ देशान्तर पर स्थित है।

भूगर्भीय संरचना :-

प्रस्तावित स्थल की सतह पर स्वस्थानिक चट्टानों का पूर्णतया अभाव है। स्थल की सतह पर भूरे रंग की मृदा का आवरण है जिसमें काबेल व पैबल आकार के विभिन्न प्रकार के चट्टानों के गोलीय टुकड़े मिश्रित अवस्था में दृष्टिगोचर होते हैं। भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से यह सम्पूर्ण क्षेत्र हिमालय पर्वत श्रृंखला के दक्षिणी भाग में स्थित बाह्य हिमालय के गिरीपाद में स्थित है जो हिमालय पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली गोला नदी एवं इसकी अन्य सहायक नदियों द्वारा कालान्तर में अपने साथ बहाकर लाये गये नदीय अवसादों के स्थल पर निक्षेपित होकर कठोर हुये भाग से निर्मित हुआ प्रतीत होता है। प्रस्तावित स्थल गोला नदी के जलोढ़ पंख के मध्य स्थित

है। स्थल पर नीचे की ओर कोबेल, पैबल व बोल्डर के अधिक मात्रा में स्थित होने की प्रबल संभावना है। प्रस्तावित स्थल के पूर्व की ओर लगभग 3.0 किमी० की दूरी पर गोला नदी स्थित है जिसका समरेखण तथा बहाव उत्तर से दक्षिण की ओर है। प्रस्तावित स्थल भाबर-तराई क्षेत्र के मध्य अवस्थित है जिसमें भाबर-तराई क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना व्याप्त है। स्थल पर ढलाने दृष्टिगोचर नहीं होती है तथा स्थल लगभग समतल है जबकि क्षेत्रीय स्तर पर स्थल व स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में सामान्य ढलाने दक्षिण की ओर हैं। स्थल की सतह लगभग समतल है जो निकटवर्ती सम्पर्क मार्ग से कम ऊँचाई वाले भूभाग में अवस्थित है इसलिये स्थल को विकसित किये जाने की आवश्यकता प्रतीत होती है। स्थल के अन्तर्गत गुलीज संरचनाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर होती हैं जो स्थल पर वर्षाजल के उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होने के स्पष्ट संकेत देती हैं। स्थल के निकट कोई प्राकृतिक नाला तथा अधिक ढालदार भूभाग दृष्टिगोचर नहीं होता है। स्थल वर्तमान में स्थित प्रतीत होता है।

उपरोक्त भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से प्रस्तावित स्थल, प्रथम दृष्टया सन्दर्भित प्रयोजन के लिए भूमि हस्तान्तरण हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है। स्थल पर प्रस्तावित निर्माण कार्य में भवनों की संख्या, परिमाण आदि का निर्धारण किये जाने तथा क्षेत्र में उनकी स्थिति सुनिश्चित किये जाने के उपरान्त, निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व, स्थल की भू-स्थलाकृति तथा भूगर्भीय संरचना के अनुसार, निर्माण की जाने वाली संरचनाओं की सुरक्षा हेतु भूगर्भीय दृष्टिकोण से सुझाव व संस्तुतियां लिया जाना आवश्यक होगा व उनके अनुसार ही प्रस्तावित संरचनाओं का निर्माण किया जाना होगा।

(लेख रात्रि)
सहायक भूवैज्ञानिक

